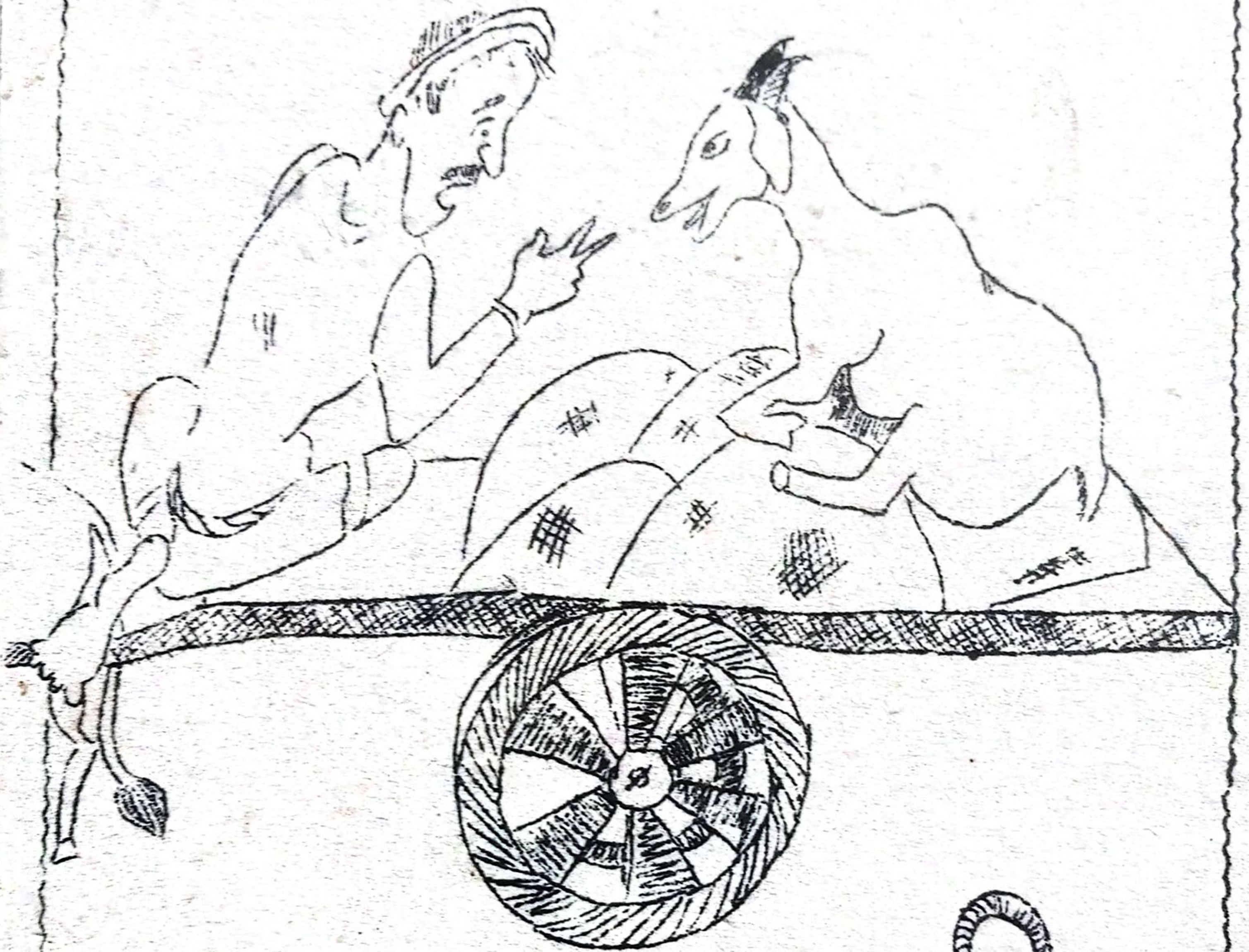


बकरी

और उसका गुड़महल

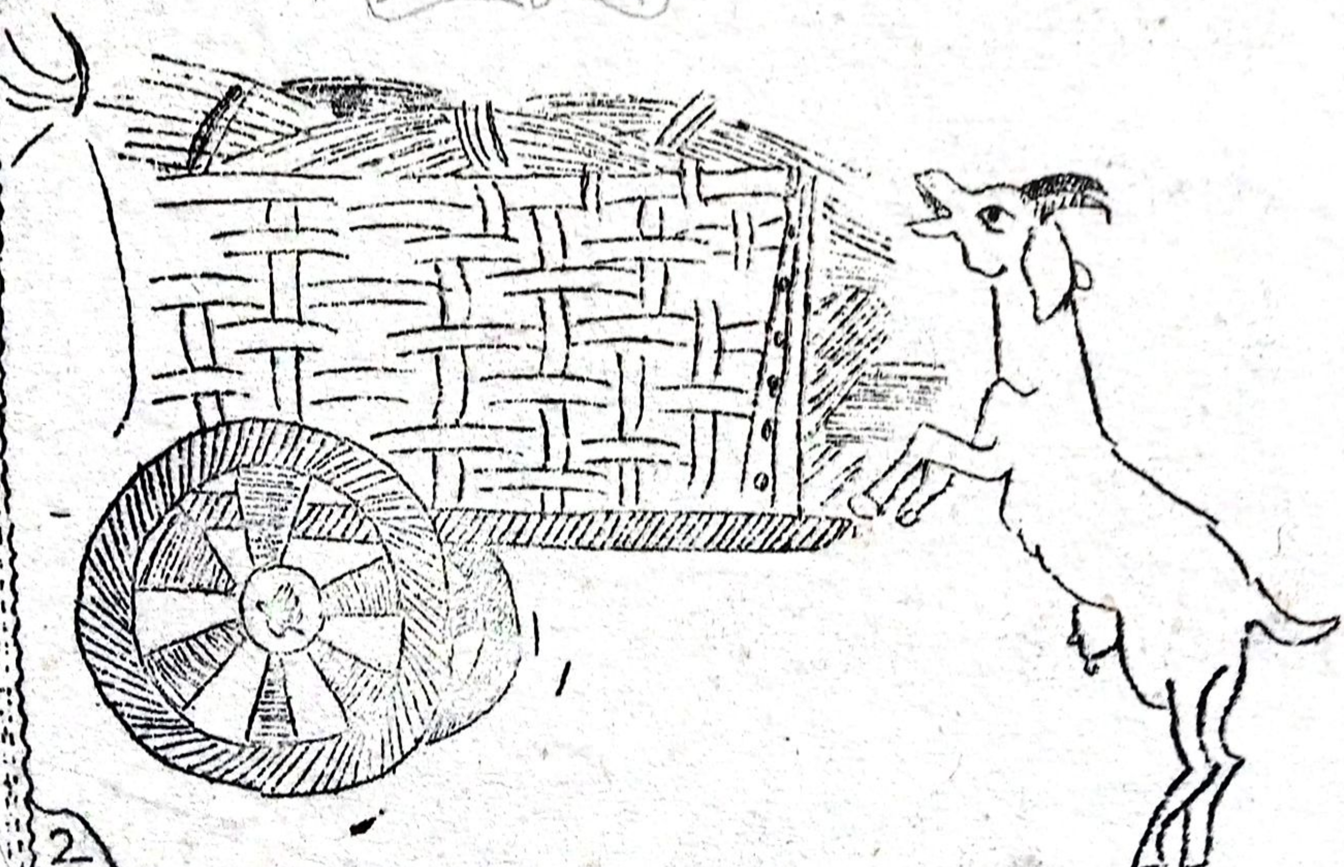
बकरी और उसका गुड़महल

एक जंगल में एक बकरी रहती थी

उस जंगल में एक गाड़ी आई

गाड़ी में घास भरी थी

बकरी कूद कर गाड़ी पर बैठ गई



गाड़ीवाले ने कहा,
बकरी, तू गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा,
मैं तो नहीं उतरूंगी

गाड़ीवाले ने कहा,
तू घास का एक पूला ले ले
और गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा,
मैं तो नहीं उतरूंगी

गाड़ीवाले ने कहा,
तू घास के दो पूले ले ले
और गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा,
मैं तो नहीं उतरूंगी

गाड़ीवाले ने कहा,
तू घास के तीन पूले ले ले
और गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा,
मैं तो नहीं उतरूंगी

गाड़ीवाले ने कहा,

तू घास के सब पूले ले ले

और गाड़ी से उतर जा

बकरी ने कहा, अच्छा,

मैं गाडी से उतर जाऊंगी

बकरी कूद कर गाड़ी से उतर गई

और सब पूले लेकर घर गई



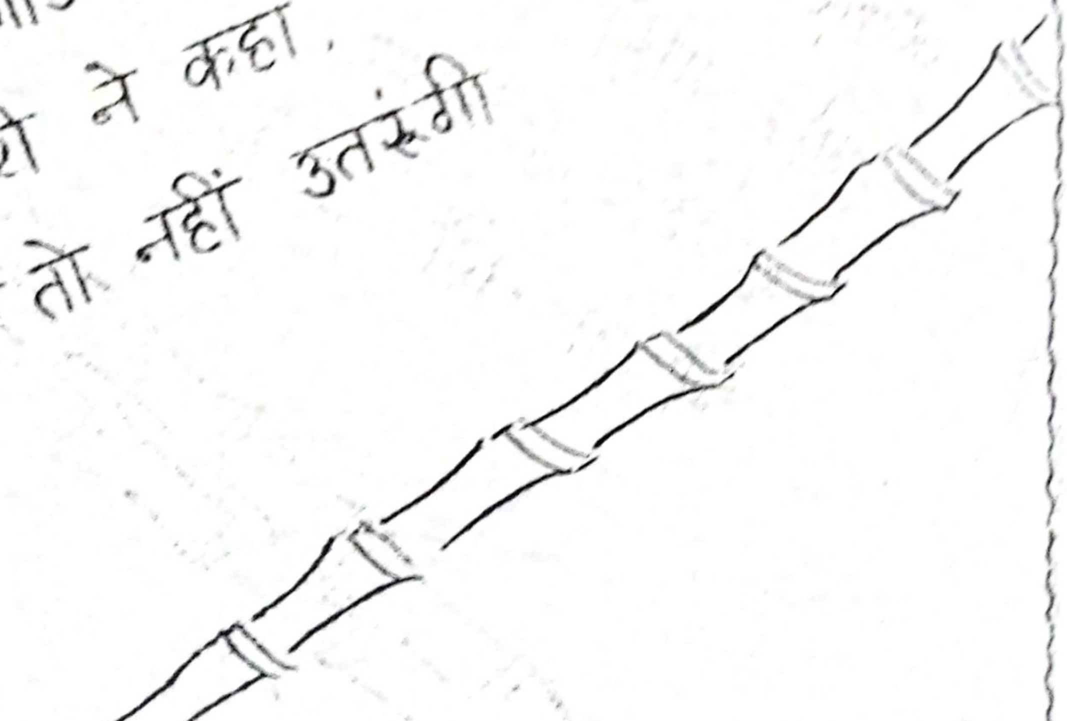
उस जंगल में और एक गाड़ी आई
गाड़ी में बांस भरे थे
बकरी कूद कर गाड़ी में बैठ गई

गाड़ीवाले ने कहा,
बकरी, तू गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा,
मैं तो नहीं उतरूंगी



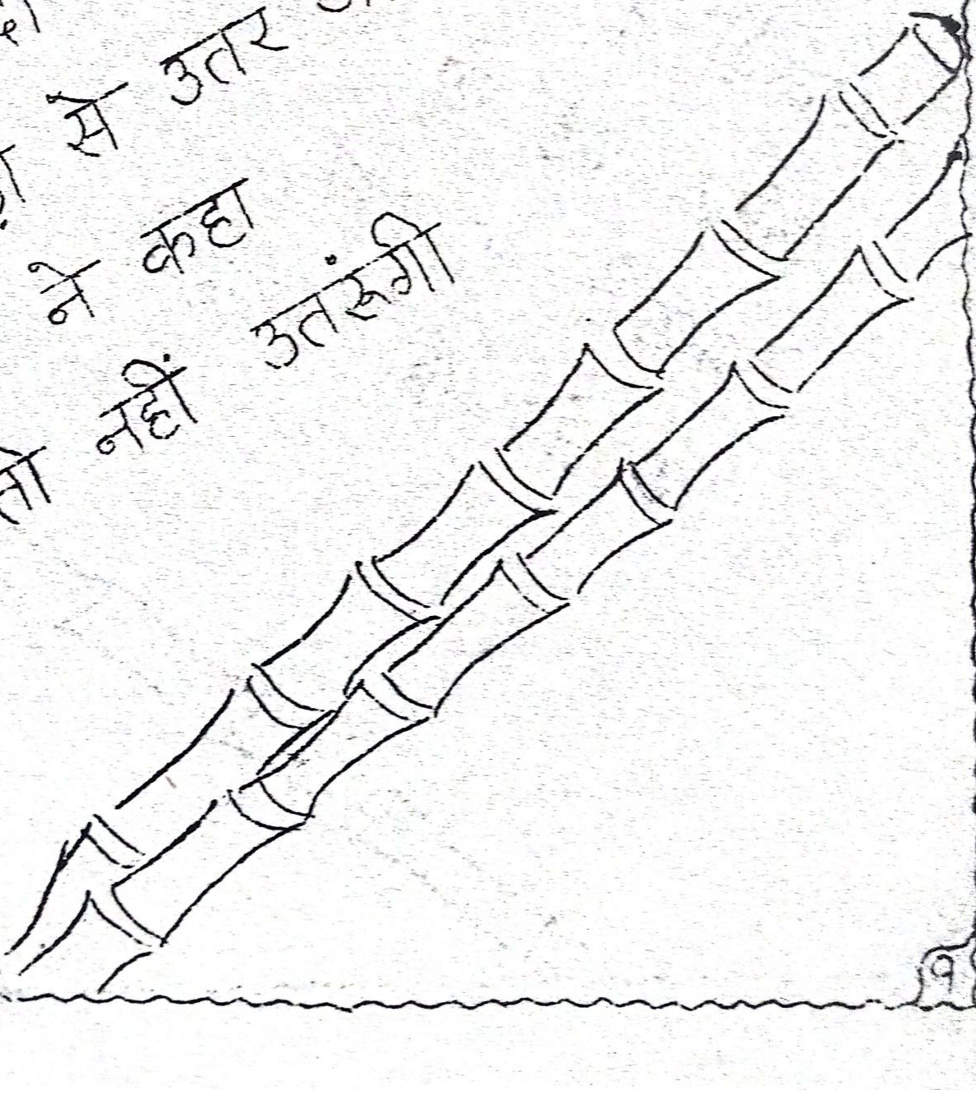


गाड़ीवाले ने कहा,
बकरी, तू एक कौड़ी बांस ले ले
और गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा,
मैं तो नहीं उतरूंगी





गाड़ीवाले ने कहा,
बकरी, तू दो कोड़ी बांस ले ले
और गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा
मैं तो नहीं उतरूंगी



गाड़ीवाले ने कहा,

बकरी, तू तीन कोड़ी बांस ले ले

और गाड़ी से उतर जा

बकरी ने कहा,

मैं तो नहीं उतरूंगी

गाड़ीवाले ने कहा,

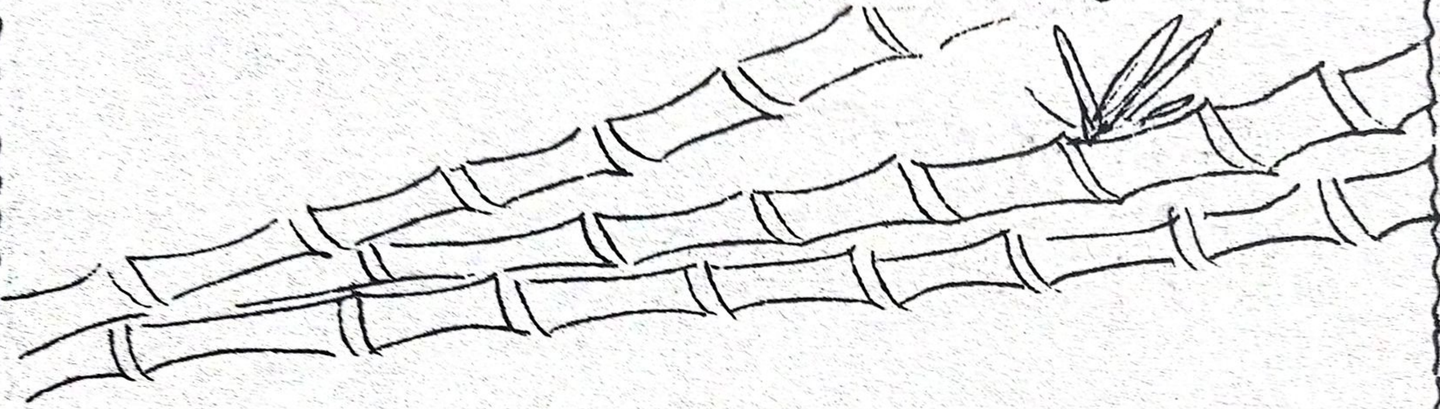
बकरी, तू सब कोड़ी बांस ले ले

और गाड़ी से उतर जा

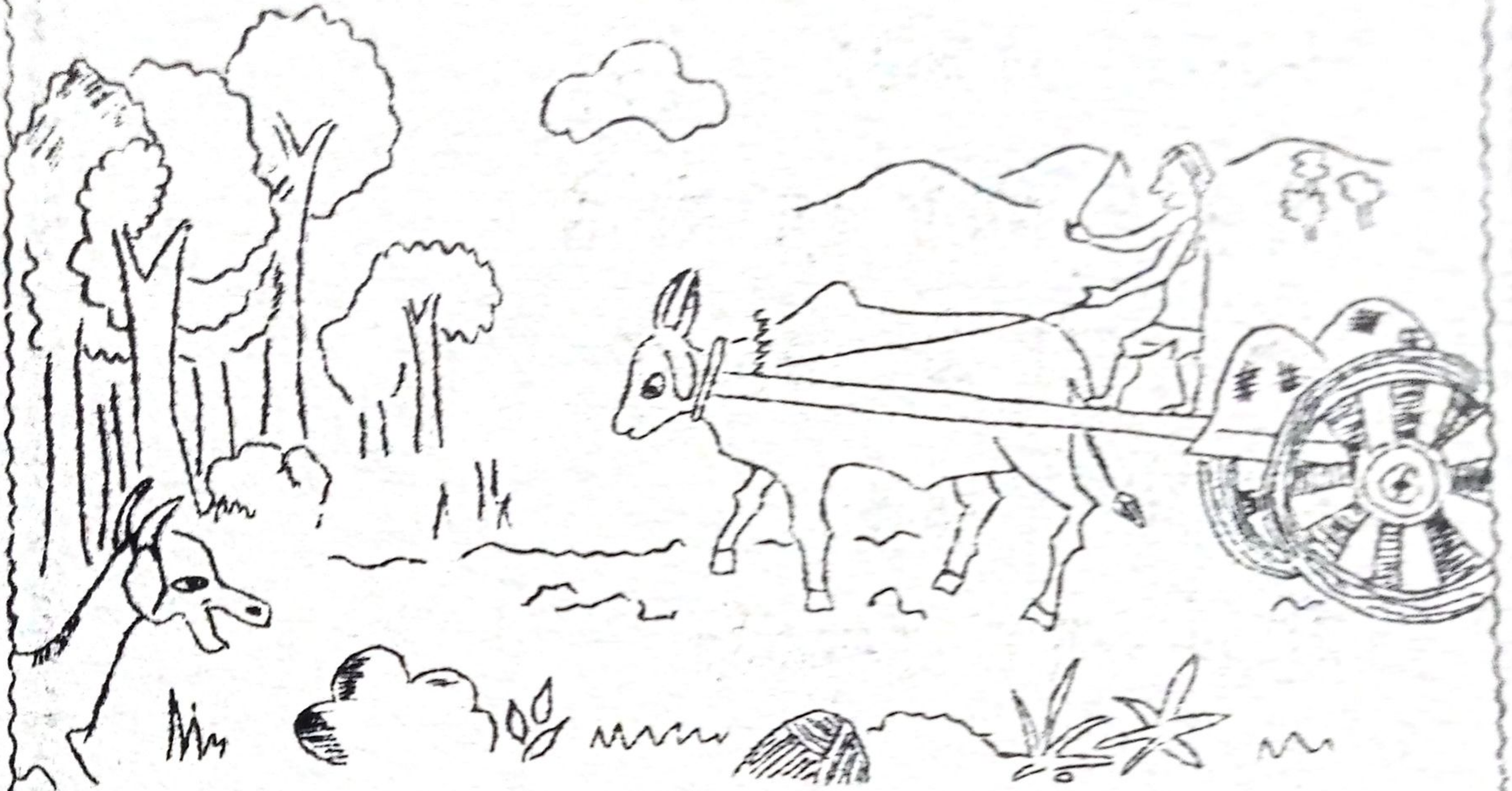
बकरी ने कहा, अच्छा

मैं गाड़ी से उतर जाऊंगी

बकरी कूद कर गाड़ी से उतर गई
और सब बांस लेकर घर गई



उस जंगल में और एक गाड़ी आई
गाड़ी में गुड़ भरा था
बकरी कूद कर गाड़ी पर बैठ गई



गाड़ीवाले ने कहा,

बकरी तू गाड़ी से उतर जा

बकरी ने कहा,

मैं तो नहीं उतरूंगी

गाड़ीवाले ने कहा,
तू एक भेली गुड़ ले ले
और गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा,
मै तो नहीं उतरूगी

गाड़ी वाले ने कहा,
तू दो भेली गुड़ ले ले
और गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा,
मैं तो नहीं उतरूंगी

गाड़ीवाले ने कहा,
तू तीन भेली गुड़ ले ले
और गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा,
मैं तो नहीं उतरूंगी

गाड़ीवाले ने कहा,
बकरी, तू सब भेली गुड़ ले ले
और गाड़ी से उतर जा
बकरी ने कहा, अच्छा
मैं गाड़ी से उतर जाऊंगी
बकरी कूद कर गाड़ी से उतर गई
और सब भेली गुड़ लेकर घर गई



बकरी बहुत खुश हुई
बकरी ने कहा,
मैं सुन्दर घर बनाऊंगी
गुड़ की दीवाल बनाऊंगी
बांसों का दरवाज़ा लगाऊंगी
और छत घास की बनाऊंगी

उसने गुड़ की दीवाल बनाई

उसने बांस के दरवाज़े लगाए

और उसने घास की छत बनाई

घर बहुत सुन्दर था

बकरी ने उसका नाम "गुड़महल" रखा,

और वह वहां रहने लगी

तुम्हारे पास कोई अच्छी कहानी हो तो लिख भेजना

पता - नीता और उषा , बाल साहित्य भण्डार
पतौआपुरा , शाहपुर 460440 , जिला बैतूल (म.प्र.)